साहित्य अकादमी नई दिल्ली की ओर से साहित्य मंच कार्यक्रम का किया आयोजन

ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लेते प्रसिद्ध साहित्यकार, कवि तथा कहानीकार।

जम्मू, 29 जून (सवेरा) : साहित्य अकादमी नई दिल्ली की तरफ से शुरू की वैबलाइन साहित्य श्रृंखला के तहत साहित्य मंच कार्यक्र म का आयोजन किया गया, जिसमें डोगरी भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार कवियों, कहानीकारों तथा आलोचकों ने अपनी प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम का संयोजन साहित्य अकादमी के सह सचिव डा. एन सुरेश बाबू ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत डोगरी भाषा में साहित्य अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत सुप्रसिद्ध उपन्यासकार, आलोचक एवं वरिष्ठ साहित्यकार देशबंधु डोगरा नूतन द्वारा उनकी साहित्य की यात्रा से हुई, जिसके उपरांत डोगरी भाषा के ही एक प्रसिद्ध कवि तथा साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत मशहूर साहित्यकार ओम विद्यार्थी ने अपनी साहित्यिक यात्रा से जुड़े अनुभवों को साझा किया।

डोगरी भाषा के मशहूर कवि अब्दुल कादिर कुंडरिया द्वारा प्रस्तुत मखीर, मच्छर तथा कोरोना आदि शीर्षक वाली कविताओं ने श्रोताओं के मन को मोह लिया, तो वहीं डोगरी भाषा की सुप्रसिद्ध आलोचक, भाषाविद एवं कहानीकार प्रोफैसर अर्चना केसर ने ए तोता ऐ शीर्षक वाली कहानी का पाठ किया जिसे श्रोताओं द्वारा सराहा गया। कार्यक्रम का समापन साहित्य अकादमी के सह सचिव तथा इस कार्यक्रम के संयोजक डा. एन सुरेश बाबू के वक्तव्य से हुआ।

डा. सुरेश बाबू ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि साहित्य अकादमी नई दिल्ली की तरफ से कोरोना कॉल के दौरान विभिन्न भाषाओं में कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ताकि विभिन्न भाषाओं से जुड़े साहित्यकारों को वैबलाइन श्रंखला के तहत ही सही मंच प्रदान किया जाता रहे और उनके लेखन का उत्साह बना रहे। उन्होंने कार्यक्रम में भाग ले रहे सभी साहित्यकारों तथा प्रबुद्ध कवि, उपन्यासकार तथा अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के मालिक तथा डोगरी परामर्श मंडल के संयोजक दर्शन दर्शी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हीं के सहयोग से इस प्रकार के कार्यक्र मों के आयोजन संभव हो पा रहा है।

वेबलाइन साहित्य शृंखला में कविताओं से श्रोता मंत्रमुग्ध

साहित्य अकादमी नई दिल्ली के कार्यक्रम में भाग लेते डोगरी साहित्यकार ● इंटरनेट मीडिया

जागरण संवाददाता, जम्मू : साहित्य अकादमी नई दिल्ली की ओर से शुरू की गई वेबलाइन साहित्य श्रृंखला के तहत साहित्य मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डोगरी भाषा के साहित्यकार कवियों, कहानीकारों तथा आलोचकों ने प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का संयोजन साहित्य अकादमी के सह सचिव डा. एन सुरेश बाबू ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत डोगरी भाषा में साहित्य अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत प्रसिद्ध उपन्यासकार, आलोचक एवं वरिष्ठ साहित्यकार देशबंधु डोगरा नूतन की साहित्य यात्रा से हुई। इसके बाद डोगरी भाषा के ही एक प्रसिद्ध कवि ओम विद्यार्थी ने अपनी साहित्यिक यात्रा के अनुभव साझा किए। डोगरी भाषा के कवि अब्दुल कादिर कुंडरिया द्वारा प्रस्तुत मखीर, मच्छर तथा कोरोना शीर्षक वाली कविताओं ने श्रोताओं के मन को मोह लिया। डोगरी की प्रसिद्ध आलोचक, भाषाविद एवं कहानीकार प्रो. अर्चना केसर ने ए तोता ऐ शीर्षक कहानी का पाठ किया।जिसे काफी सराहा गया। समापन साहित्य अकादमी के सह सचिव डा. एन सुरेश बाबू के वक्तव्य से हुआ। डा. सुरेश बाबू ने बताया कि साहित्य अकादमी नई दिल्ली की तरफ से कोरोना काल के दौरान विभिन्न भाषाओं में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

वेबलाइन साहित्य श्रृंखला के तहत कार्यक्रम आयोजित

कुंडरिया की कविताओं ने साहित्यिक मंच कार्यक्रम में डाल दी रूह

जम्मू। स्टेट समाचार

साहित्य अकादमी नई दिल्ली की ओर से शुरू की गई वेबलाइन साहित्य श्रृंखला के तहत साहित्य मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें डोगरी भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार कवियों, कहानीकारों तथा आलोचकों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। इस कार्यक्रम का संयोजन साहित्य अकादमी के सह सचिव डा. एन सुरेश बाबू ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत डोगरी भाषा में साहित्य अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत सुप्रसिद्ध उपन्यासकार, आलोचक एवं वरिष्ठ साहित्यकार देशबंधु डोगरा नूतन की साहित्य यात्रा से हुई, जिसके बाद डोगरी भाषा के ही एक प्रसिद्ध कवि तथा साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत मशहूर साहित्यकार ओम विद्यार्थी ने अपनी साहित्यिक यात्रा से जुड़े अनुभवों को साझा किया।

डोगरी भाषा के मशहूर कवि अब्दुल कादिर कुंडरिया द्वारा प्रस्तुत मखीर, मच्छर तथा कोरोना आदि शीर्षक वाली कविताओं ने श्रोताओं के मन को मोह लिया। वहीं डोगरी भाषा की सुप्रसिद्ध आलोचक, भाषाविद एवं कहानीकार प्रोफेसर अर्चना केसर ने ए तोता ऐ शीर्षक कहानी का पाठ किया। जिसे काफी सराहा गया। कार्यक्रम का समापन साहित्य अकादमी के सह सचिव तथा इस कार्यक्रम के संयोजक डा. एन सुरेश बाबू के वक्तव्य से हुआ। डा. सुरेश बाबू ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि साहित्य अकादमी नई दिल्ली की तरफ से कोरोना कॉल के दौरान विभिन्न भाषाओं में कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ताकि विभिन्न भाषाओं से जुड़े साहित्यकारों को वेब लाइन श्रंखला के तहत ही सही मंच प्रदान किया जाता रहे। वहीं कुंडरियां ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में भाग लेने का उनका साहित्य अकादमी के साथ नया अनुभव था, जो काफी अच्छा रहा। उन्होंने कार्यक्रम में भाग ले रहे सभी साहित्यकारों तथा प्रबुद्ध कवि, उपन्यासकार तथा अंतरराष्ट्रीय ख्याति के मालिक तथा डोगरी परामर्श मंडल के संयोजक दर्शन दर्शी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हीं के सहयोग से इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन संभव हो पा रहा हैं।

डोगरी साहित्यकारों और कवियों ने बांधा समां

जम्मू। साहित्य अकादमी नई दिल्ली की वेब लाइन साहित्य श्रृंखला के तहत मंगलवार को सह सचिव डॉ. एन सुरेश बाबू की देखरेख में साहित्य मंच कार्यक्रम करवाया गया। इसमें डोगरी के प्रसिद्ध साहित्यकारों, कवियों, कहानीकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। इसकी शुरुआत साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित डोगरी उपन्यासकार एवं वरिष्ठ साहित्यकार देशबंधु डोगरा नूतन ने अपनी साहित्य यात्रा पर विचार रखकर की। डोगरी भाषा के ही प्रसिद्ध कवि ओम विद्यार्थी ने भी अपने अनुभव साझा किए। कवि अब्दुल कादिर कुंडरिया ने मक्खी, मच्छर और कोरोना से जुड़ी कविताएं पढ़ीं। डोगरी की कहानीकार प्रो. अर्चना केसर ने ऐ तोता ऐ शीर्षक वाली कहानी पढ़कर खूब तालियां बटोरीं। डॉ. बाबू ने बताया कि साहित्य अकादमी ने करोना काल में विभिन्न भाषाओं में कई कार्यक्रम करवा साहित्यकारों को वेब लाइन श्रृंखला के तहत सही मंच प्रदान किया है। उन्होंने साहित्यकारों, कवियों और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डोगरी परामर्श मंडल के संयोजक दर्शन दर्शी का धन्यवाद करते कहा कि उन्हीं के सहयोग से कार्यक्रम करवाए जा रहे हैं। ब्यूरो

अमर उजाला

जम्मू | बुधवार, 30 जून 2021

5

डोगरी साहित्यकारों और कवियों ने बांधा समां

जम्मू। साहित्य अकादमी नई दिल्ली की वेब लाइन साहित्य शृंखला के तहत मंगलवार को सह सचिव डॉ. एन सुरेश बाबू की देखरेख में साहित्य मंच कार्यक्रम करवाया गया। इसमें डोगरी के प्रसिद्ध साहित्यकारों, कवियों, कहानीकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। इसकी शुरुआत साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित डोगरी उपन्यासकार एवं वरिष्ठ साहित्यकार देशबंधु डोगरा नूतन ने अपनी साहित्य यात्रा पर विचार रखकर की। डोगरी भाषा के ही प्रसिद्ध कवि ओम विद्यार्थी ने भी अपने अनुभव साझा किए। कवि अब्दुल कादिर कुंडरिया ने मक्खी, मच्छर और कोरोना से जुड़ी कविताएं पढ़ीं। डोगरी की कहानीकार प्रो. अर्चना केसर ने ऐ तोता ऐ शीर्षक वाली कहानी पढ़कर खूब तालियां बटोरीं। डॉ. बाबू ने बताया कि साहित्य अकादमी ने करोना काल में विभिन्न भाषाओं में कई कार्यक्रम करवा साहित्यकारों को वेब लाइन शृंखला के तहत सही मंच प्रदान किया है। उन्होंने साहित्यकारों, कवियों और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त डोगरी परामर्श मंडल के संयोजक दर्शन दर्शी का धन्यवाद करते कहा कि उन्हीं के सहयोग से कार्यक्रम करवाए जा रहे हैं। ब्यूरो

कटु सत्य

जम्मू। बुधवार, 30 जून, 2021

वेबलाइन साहित्य श्रृंखला के तहत कार्यक्रम आयोजित

जम्मू।

साहित्य अकादमी नई दिल्ली की ओर से शुरूं की गई वेबलाइन साहित्य श्रृंखला के तहत साहित्य मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें डोगरी भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार कवियों, कहानीकारों तथा आलोचकों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। इस कार्यक्रम का संयोजन साहित्य अकादमी के सह सचिव डा. एन सुरेश बाबू ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत डोगरी भाषा में साहित्य अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत सुप्रसिद्ध उपन्यासकार, आलोचक एवं वरिष्ठ साहित्यकार देशबंधु डोगरा नूतन की साहित्य यात्रा से हुई, जिसके बाद डोगरी भाषा के ही एक प्रसिद्ध कवि तथा साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत मशहूर साहित्यकार ओम विद्यार्थी ने अपनी साहित्यिक यात्रा से जुड़े अनुभवों को साझा किया।

डोगरी भाषा के मशहूर कवि अब्दुल कादिर कुंडरिया द्वारा प्रस्तुत मखीर, मच्छर तथा कोरोना आदि शीर्षक वाली कविताओं ने श्रोताओं के मन को मोह लिया। वहीं डोगरी भाषा की सुप्रसिद्ध आलोचक, भाषाविद एवं कहानीकार प्रोफेसर अर्चना कंसर ने ए तोता ऐ शीर्षक कहानी का पाठ किया। जिसे काफी सराहा गया। कार्यक्रम का समापन साहित्य अकादमी के सह सचिव तथा इस कार्यक्रम के संयोजक डा. एन सुरेश बाबू के वक्तव्य से हुआ। डा. सुरेश बाबू ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि साहित्य अकादमी नई दिल्ली की तरफ से कोरोना काल के दौरान विभिन्न भाषाओं में कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ताकि विभिन्न भाषाओं से जुड़े साहित्यकारों को वेब लाइन श्रंखला के तहत ही सही मंच प्रदान किया जाता रहे। वहीं कुंडरियां ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में भाग लेने का उनका साहित्य अकादमी के साथ नया अनुभव था, जो काफी अच्छा रहा। उन्होंने कार्यक्रम में भाग ले रहे सभी साहित्यकारों तथा प्रबुद्ध कवि, उपन्यासकार तथा अंतरराष्ट्रीय ख्याति के मालिक तथा डोगरी परामर्श मंडल के संयोजक दर्शन दर्शी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हीं के सहयोग से इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन संभव हो पा रहा है।